भजन

तर्ज :- ये देश है वीर जवानों

ये चौथी भोम निरत की है, सुख आनन्द और मस्ती की है

यहां नवरंग बाई नाच रही, और छम-छम पायल बाज रही

1.)आये हैं शामा शाम यहाँ,है निरत की थई थई कार जहां

वों सिंहासन पर बैठे है सुख नैनों भर भर देखें है

2) नवरंग ने घुंघरू बाँधे हैं, और मधुर मधुर सुर साधे है

पैरों में कांबी कड़ला है और सोहे अनवट बिछुआ है

3.) अंग-अंग में सुन्दर भूषण हैं, हथ नवघरी और कंगन है

सब नूर ही नूर से भरे हुये, और कई-कई नंग है जड़े हुये